मुख्य बिंदु एवं समस्याएं

- **किसानों की उपस्थिति:** प्रतापगढ़ और आसपास के क्षेत्रों से आए लगभग 150 से अधिक काश्तकारों ने अधिकारियों के समक्ष अपनी समस्याएं रखीं।
- **प्रमुख मुद्दे:** जनसुनवाई के दौरान मुख्य रूप से कटे हुए अफीम पट्टों की बहाली, पात्रता, कम औसत पैदावार, नाम में सुधार और दस्तावेजों से जुड़ी आपत्तियां उठाई गईं।
- **अधिकारियों का आश्वासन:** उप नारकोटिक्स आयुक्त नरेश बुंदेल और विभागीय अधिकारियों ने कई मामलों का मौके पर ही समाधान किया तथा शेष मामलों की जांच व सत्यापन कर 15 से 20 दिनों के भीतर उचित कार्रवाई का भरोसा दिया।

अफीम किसानों की समस्याओं पर जनसुनवाई, 150 किसानों ने रखी बात

सीधा सवाल। प्रतापगढ़। अफीम खेती से जुड़ी समस्याओं और शिकायतों के समाधान को लेकर शुक्रवार को प्रतापगढ़ में केंद्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो की ओर से जनसुनवाई आयोजित की गई। प्रतापगढ़ प्रथम और प्रतापगढ़ द्वितीय डिवीजन के करीब 150 अफीम किसान जनसुनवाई में पहुंचे और अधिकारियों के सामने अपनी समस्याएं रखीं। कोटा उप नारकोटिक्स आयुक्त नरेश बुंदेल सहित अधिकारियों ने किसानों की समस्याएं सुनीं। इस दौरान कई मामलों का मौके पर ही निस्तारण किया गया। किसानों ने अफीम खेती से संबंधित लाइसेंस, पात्रता, माप-जोख सहित खेती के दौरान आने वाली विभिन्न समस्याओं से अधिकारियों को अवगत कराया। जनसुनवाई में सहायक नारकोटिक्स आयुक्त डॉ. जेएस राजपुरोहित, अफीम अधीक्षक जगदीश मावत, जिला अफीम अधिकारी रजनीश शर्मा, जिला अफीम अधिकारी होतीलाल वर्मा मौजूद रहे। अधिकारियों ने किसानों की शिकायतों को गंभीरता से सुनते हुए नियमानुसार समाधान का भरोसा दिलाया और आवश्यक मार्गदर्शन दिया। जनसुनवाई के दौरान बड़ी संख्या में अफीम किसान मौजूद रहे। अधिकारियों ने किसानों से संबंधित मामलों में नियमानुसार कार्रवाई और समस्याओं के समाधान की जानकारी भी दी।